14-02-2023





भारतीय चीनी उद्योग की वित्तीय स्थिति बेहतर हड़

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर स्तर पर विदेशी सरजमीं पर इंटरनेशनल कॉन्फेंस आयोजित कर रहा है इस कॉन्फेंस में इजिप्ट भी अहम भूमिका निभा रहा वैश्विक स्तर पर चीनी के उत्पादन को किस तरह से नई दिशा दी जाए और इंडस्टी को लास से बचाया जाए नई टेक्नोलॉजी का यूज किस तरह से करना है पर विस्तार से वर्चा हो रही प्रोफेसर डिना मामडो फीद, डीन, फॅकल्टी ऑफ शुगर एंड इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज टेक्नोलॉजी, अस्यट विश्वविद्यालय ने अपने खागत भाषण में विश्वास व्यक्त किया कि सम्मेलन वैश्विक चीनी उद्योग के आर्थिक और तकनीकी मुद्दों के समाधान के लिए कुछ उपयोगी उपाय सुझाने के अतिरिक्त, गन्ने एवं चुकंदर की उत्पादकता, चीनी उद्योग से नई और नवीकरणीय उन्न्र्जी की भविष्य की संभावनाएं, कचरे का उपयोग और चीनी उसोज से संबंधित पर्यावरण के मुद्दों पर चर्चा करेगा।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक एवं सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मोहन ने वर्षों से चीनी उद्योग द्वारा अपनाए गए विजनेस मॉडल में आए बदलावों पर चर्चा करते हुए नवाचारों पर जोर दिया। केवल

बवीन प्रक्रियाएं और उत्पाद ही चीनी उद्योग को प्रतिस्पर्धी, व्यवहार्य और टिकाऊ बना सकते हैं। परेलू और अंतरराष्ट्रीय चीनी परिदृश्य, जैव ईधन की आवश्यकता, प्रौग्रोगिकी की उपलब्धता और नए उत्पादों के लिए संभावित बाजार को ध्यान में रखते हुए रणनीतियां बनाई जानी हैं। उन्होंने चीनी उद्योग द्वारा अब अपनाए गए चीनी-इयेनॉल मॉडल पर भी चर्चा की, जिससे भारतीय चीनी उठोग की वित्तीय रियति बेहतर हुई । डॉ. जिलियन एण्ण्लेस्टन, निदेशक, ऑडोबोन शुगर इंस्टीट्यूट, अमेरिका ने चीनी के नुकसान को नियत्रित और कम करके चीनी उद्योग के संचालन की उत्पादकता और दक्षता में सुधार के उपायों पर चर्चा की। अरविंद चुडासमा, संपादक, इंटरनेशनल शुगर जर्नल, इंग्लैंड ने वैश्विक चीनी उद्योग की गतिशीलता पर प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा की दुनिया भर में चीनी की वार्षिक खपत पिछले कुछ वर्षों में लगभग स्विर है, केवल एशिया और अफीका में कुछ वृद्धि दिखाई दे रही है। कांफेंस मे जर्मनी, ऑस्ट्रिया, मिख एवं ब्राजील के प्रतिनिधियों ने भी अपने प्रेजेंटेशन दिए । सम्मेलन के दौरान एक एक्सपो भी आयोजित किया गया है जिसमें विभिन्न विदेशी कंपनियों के अलावा कई भारतीय कंपनियां, निर्माण डकाडयां और पौरोगिकी प्रदाता भी भाग ले

12-14 फरवरी 2023 तक राष्ट्रीय शर्करा संर्थान, अस्युट विश्वविद्यालय, मिल द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित च्चीनी और एकीकृत उद्योग पर १०वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मिस के लवसर शहर में शृत

💼 सम्मेलन में भारत, मिल, अमेरिका, इंग्लैंड, फांस, जर्मनी, नाइजीरिया. ऑस्ट्रिया और ब्राजील आदि से दो सौ से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं



'चीनी और एकीकृत उद्योग' पर 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

कानपुर (नगर छावा समाचार)। 12-14 फरवरी 2023 तक राष्ट्रीय जकरा संस्थान, कानपुर और अस्पट विश्वविद्यालय, मिस व्रग संयक्त रूप से आयोजित चीनी और एकोकृत उद्योग पर 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मिस्न के लक्सर शहर में शुरू हुआ। सम्मेलन में भारत, मिस, अमेरिका, इंग्लैंड, फांस, जर्मनी, नाइजीरिया, ऑस्ट्रिया और ब्राजील आदि से दो सौ से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे है । ग्रोफेसर (सुओ) हिना मामळे फौद, जीन, फैकल्टी ऑफ शुपर एंड इंटीप्रेटेड इंडस्ट्रीज टेक्नोलीजी, जस्युट विश्वविद्यालय ने अपने स्वागत भाषण में विश्वास व्यक्त किया कि सम्मेलन वैश्विक चीनी उद्योग के आधिक और तकनीकी मुद्दों के समाधान के लिए कुछ उपयोगी उपाय सुझाने के अतिरिक्त, गत्रे एवं चुकदेर की उपादकता. चोनी तथाग से नई और नवीकरणीय ऊर्जा को भविष्य को संभावनाएं, कचरे का उपयोग और चौनी उद्योग से संबंधित



पर्यावरण के मुही धर चर्चा करेगा। राष्ट्रीय शहरी संस्थान के निदेशक एवं सम्पोलन के अध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मोशन ने वर्षों से चीनी उद्योग द्वरा अपनाए गए बिजनेस मॉडल में आए बदलाओं पर चर्चा करते हुए

नवाचारों पर जोर दिया। केवल नवीन धौधोगिको को उपलब्धता और नए उत्पादों प्रक्रियाएं और राग्यद ही चीनी उद्योग को के लिए संभावित बाजार को ध्यान में रखते प्रतिस्पर्धी, व्यवहार्य और टिकाऊ बना हुए रणनीतियां बनाई जानी है। उन्होंने चौनी सकते हैं। परेलु और अंतरराष्ट्रीय चीनी उद्योग द्वारा अब अपनाए गए चीनी-इचेनॉल परिदाय, जैव ईंधन को आवश्यकता, मॉडल पर भी चर्चा को, जिससे भारतीय

चीनी उद्योग की विसीय स्थिति बेहतर हुई। ाई. (क्रीमती) गिलियन एम्प्लेस्टन, निदेशक, ऑंग्रोबोन शुगर इंस्टीट्यूट, अमेरिका ने भौनी के नुकसान को नियतिश और कम करके चीनी उद्योग के संचालन को उत्पादकता और दखता में सुधार के ज्यायों पर चर्चा की। स्री अरविंद चुद्धसमा, संगदक, इंटरनेशनल जुगर जर्नल, इंग्लैंड ने मैक्षिक चीनी अग्रोग की गठिशीलता पर प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा को दुनिया भर में चोनों को वार्षिक रायत पिछले कुछ वर्षों में लगभग स्थिर है, केवल एशिया और अश्वीका में कुछ वृद्धि दिखाई दे सी है। कांफेंस में जर्मनी, ऑस्ट्रिया, मिस्र एवं ब्राजील के प्रतिनिधियों ने भी अपने प्रेजेंटेशन दिए।

सम्मेलन के दौरान एक एक्सपों भी आयोजित किया गया है जिसमें विभिन्न बिदेसी कंपनियों के अलावा कई भारतीय कंपनियां, निर्माण इकाइयां और प्रौद्योगिकों प्रवास भी माग से रहे हैं।

Int'l conference on sugar & integrated industries



international conference on 'Sugar and Integrated Industries' being jointly organised by NSI and Assiut University Eavo

PNS KANPUR

The three-day 10th interna-tional conference on "Sugar and Integrated Industries" being organised jointly by National Sugar Institute (NSI) and Assiut University Feart reads off at Institute (NSI) and Assiut University, Egypt took off at Luxor City, Egypt, The con-ference is being attended by more than 200 delegates from India, Egypt, America, England, France, Germany, Nigeria, Austria, Brazil and a

Nigeria, Austria, Brazil and a few more countries. Delivering the welcome address, Prof Dina Mamdough Fouad, Dean of Faculty of Sugar and Integrated Industries Technology, Assiut University expressed confi-dence that the conference will work out quite some useful measures for addressing eco-nomical and technological issues besides discussing other issues besides discussing other important issues related to production and breeding of sugar crops, future prospects of Sugar Industry I

new and renewable energy from sugar industry, utilisation of wastes and environment

of wastes and environment issues related to the sugar industry. Addressing the meet the NSI director Prof Narendra Mohan, who is also the con-ference chairman while dis-

Monan, who is also the con-ference chairman while dis-cussing the changes in business model which was being prac-tised by the sugar industry over the years, stressed on innova-tions and added that only innovative processes and prod-ucts can make sugar industry competitive, viable and sus-tainable. He said strategies were to be formed considering domes-tic and international sugar scenario, requirement of bio-fuels, availability of technolo-gy and possible market for newer products. He also dis-cussed the sugar-ethanol model now been adopted by sugar industry leading to bet-ter financial health of Indian Sugar Industry.

Dr Gillian Eggleston, Director, Audobon Sugar Institute, USA, discussed measures for improving produc-tivity and efficiency of sugar industry operations by con-trolling and minimising sugar Iosses, Arvind Chudasama, Editor, International Sugar Journal, England, made a pre-sentation on dynamics of glob-al sugar industry. He informed that world over annual sugar consumptions were almost staconsumptions were almost sta-tic over the last couple years with only Asia and Africa showing some increase. Later presentations were also made by the delegates from Germany, Brazil, Egypt and Austicio average role Austria on various issues relat-

Austria on various issues relat-ed to sugar industry. An expo had also been ference in which apart from various overseas companies, manufacturing units and tech-nology providers also took part.



एनएसआई और मिस्र के संयुक्त तत्वावधान में शुरू हुई तीन दिवसीय कार्यशाला

🗘 अमेरिका ऑस्ट्रेलिया समेत कई विदेशी प्रोफेसरों ने दिए टिप्स ्रदमगं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की जिम्मेदारी एनएसआई को मिली

सम्मेलन में

नगराज दर्पण समाचार कानपर । 12 से14 फरवरी

तक राष्ट्रीय शकरंग और अस्यूट विश्वविद्यालय, मिस द्वारा संयुक्त रूप

उल्लोग पर १०वां अंतर्राष्ट्रीय स्वामेलन वपयोगी उपाय सुझाने के अतिरिक्त, मिस के लक्सर शहर में शुरू हुआ। गने एवं चुकदर को उत्पादकता, चीनी उद्योग से नई और नवीकरणीय भारत, मिस्र, अमेरिका,इंग्लैंड, फांस, जर्मनी, ऊनां की भविषय की संभावनाएं, कचरे का उपयोग और चीनी उद्योग नाइज़ीरिया, ऑस्टिया और बाजील आदि से दो सी से अधिक प्रतिनिधि से संबंधित पर्यावरण के मुद्दों पर चर्चा भाग ले रहे हैं प्रोफेसर (सुझे) डिना करेगा शाष्ट्रीय शर्करा संस्थान के मामडो फौद, डीन, फैकल्टी ऑफ निदेशक एवं सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. शुगर एंड इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज नरेंद्र मोहन ने वर्षों से चीनी उद्योग टेबनोलॉजी, अस्पूट विश्वविद्यालय ने द्वारा अपनाए गए बिजनेस मॉडल में अपने स्वागत भाषण में विश्वास व्यक्त किया कि सम्मेलन वैश्विक चौनी नवाचारों पर जोर दिया। केवल नवीन उद्योग के आर्थिक और तकनीकी प्रक्रियाएं और उत्पाद ही चीनी उद्योग निर्माण इकाइयां और प्रौद्योगिकी से आयोजित चीनी और एकीकृत मुद्दों के समाधान के लिए कुछ को प्रतिस्पर्धी, व्यवहार्य और टिकाऊ प्रदाता भी भाग ले रहे हैं।

बना सकते हैं। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय चीनी परिदृश्य, जैव ईंधन की आवश्यकता, प्रौद्योगिकी की उपलब्धता और नए उत्पादों के लिए संभावित बाजार को ध्यान में रखते हुए रणनीतियां चनाई जानी हैं। उन्होंने चीनी उद्योग हारा अब अपनाए गए चीनी-डधेनॉल मॉडल पर भी चर्चा की, जिससे भारतीय चीनी उद्योग की वित्तीय स्थिति बेहतर हुई। आए बदलावों पर चर्चा करते हुए जिसमें विभिन्न विदेशी कंपनियों के अलावा कई भारतीय कंपनियां,

जैव ईंधन की आवश्यकता के साथ नवाचारों पर चर्चा

📮 मिस्र के लक्सर में चीनी और एकीकृत उद्योग पर दसवां अंतर्राष्टीय सम्मेलन हुआ

कानपुर, 13 फरवरी। तीन दिवसीय 🕅 (12 से 14 फरवरी 2023) राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर और अस्यूट विश्वविद्यालय, मिश्र की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित चीनी और एकोकृत उद्योग पर 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मिस्र के लक्सर शहर में शुरू हुआ। सम्मेलन में भारत, मिस्र, अमेरिका, इंग्लैण्ड, फ्रांस, जर्मनी, नाइजीरिया, आस्ट्रिया और ब्राजील आदि से दो सौ से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक एवं सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मोहन ने वर्षों से चीनी उद्योग द्वारा अपनाए गये बिजनेस माडल में आये बदलावों पर चर्चा करते हुए नवाचारो पर जोर दिया। केवल नवीन प्रक्रियाएं और उत्पाद ही चीनी उद्योग को



अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन व अन्य।

प्रो. डिना मामडो फौद ने तकनीकी मुददो प्रतिस्पर्धी व्यवहार्य और टिकाऊ बना सकते है। घरेलू और अंतर्राष्टीय चीनी के समाधन, पर्यावरण मुददो पर विस्तार से चर्चा की। समेलन में एक एव सपों परिदूश्य, जैव ईधन की आवश्यकता, प्रौद्योगिकी की उपलब्धता और नये का आयोजन भी किया गया, जिसमें विभिन्नि विदेशी कंपनियों के अलावा कई

अपनाएं गएं चीनी इथेनाल माडल पर

आडीबोन शुगर इंस्टीट्यूट, अमेरिका,

अफ्रीका में कुछ वृद्धि दिखाई दे रही है।

उत्पादों के लिए संभावित बाजार को ध्यान में रखते हुए रणनीतियां बनाई जानी 🛛 भारतीय कंपनियां निर्माण इकाइयां और प्रौद्योगिकी प्रदाता भी भाग ले रहे है।